



HINDI A1 – STANDARD LEVEL – PAPER 1
HINDI A1 – NIVEAU MOYEN – ÉPREUVE 1
HINDI A1 – NIVEL MEDIO – PRUEBA 1

Monday 8 May 2000 (morning)

Lundi 8 mai 2000 (matin)

Lunes 8 de mayo del 2000 (mañana)

3 hours / 3 heures / 3 horas

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Section A: Write a commentary on one passage. Include in your commentary answers to all the questions set.
- Section B: Answer one essay question. Refer mainly to works studied in Part 3 (Groups of Works); references to other works are permissible but must not form the main body of your answer.

INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- Ne pas ouvrir cette épreuve avant d'y être autorisé.
- Section A : Écrire un commentaire sur un passage. Votre commentaire doit traiter toutes les questions posées.
- Section B : Traiter un sujet de composition. Se référer principalement aux œuvres étudiées dans la troisième partie (Groupes d'œuvres) ; les références à d'autres œuvres sont permises mais ne doivent pas constituer l'essentiel de la réponse.

INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Sección A: Escriba un comentario sobre uno de los fragmentos. Debe incluir en su comentario respuestas a todas las preguntas de orientación.
- Sección B: Elija un tema de redacción. Su respuesta debe centrarse principalmente en las obras estudiadas para la Parte 3 (Grupos de obras); se permiten referencias a otras obras siempre que no formen la parte principal de la respuesta.

भाग 'क'

नीचे दो उद्धरण दिए गए हैं, १(क) तथा १(ख)। इन दोनों में से किसी एक पर व्याख्या कीजिए।

१(क)

'एक ल ---- ल लड़की' ? लगा मानो बड़ीदी का दम निकल जायेगा। 'इसका मतलब'?

'लड़की माने लड़की। साड़ी पहनती है, बालों का बड़ा सा जूड़ा है उसका।'

5

'कुंवारी है ?'

'और नहीं तो क्या, हम जैसे फालतू आदमियों के पास कोई अपनी बहू छोड़ जायेगा ?'

बड़ीदी का चेहरा जैसे भयंकर लाल हो उठा - 'किस चूल्हे की लकड़ी है वह ?'

10

'होगी ही किसी चूल्हे की।'

'इसका मतलब हुआ कि तू बरबादी के रास्ते पर जा रहा है। सब समझ गई। कुछ भी बाकी नहीं है।'

'समझ गई न? चलो जान बची।'

'तुम्हारा पता क्या है?'

15

'हुआ गज़ब, तुम जिस तरह चेहरा लाल कर रही हो, उस हिसाब से तो पता मालूम हो जाये तुम्हें, तो हमारे उस अड़्डे में हुआ प्रलय।'

'मैं कौन होती हूँ प्रलय करने वाली ? सोच रही हूँ कि बाप के मुंह में अगर कालिख लगेगी तो अपने मुंह में भी लगेगी। और क्या ?'

'वंश। वंशमर्यादा। बड़ा पुराना सौदागर है यह। अन्तकाल से

20

आदमी अपने नाम इसके खाते में लिखे हिसाब की चुकता करता आ रहा है। फिर भी वह कर्ज चुक नहीं रहा है।' रास्ते में लौटते समय

संदीप यही सब सोचता आ रहा है। इस झूठे कर्ज की अस्वीकार करते ही, आदमी समाज से खारिज। यह अच्छी बेबसी है।

सचमुच क्या कभी ऐसा नहीं हो सकेगा कि आदमी केवल अपने

25

निज के परिचय से जाना जायेगा। वंश, गोत्र, पदवी, परिवार आदि सैकड़ों बंधनों में बंधा हुआ आदमी नहीं, जो एकदम बनावटी और

नकली है। अपने जीवन की इच्छा के अनुसार बिताने की स्वाधीनता उसे क्यों नहीं है ? अपने सभी सुख दुःख और अपने अच्छे बुरे का

उत्तरदायित्व आदि उसी मनुष्य नामक प्राणी पर रहे तो क्या वह

30

थोड़ा-सा और ज़िम्मेदार, थोड़ा-सा और बुद्धिमान नहीं होगा ?

आशापूर्णा देवी " त्रिपदी " 1980

- लेखक के समाज के प्रति विचारों के बारे में आप क्या कहना चाहते हैं ?
- लेखक अपनी बड़ीदी के बारे में क्या महसूस करता है ? उन दोनों के दृष्टिकोण के बारे में आप क्या कहना चाहते हैं ?
- भाषा तथा शैली पर विचार विमर्श करते हुए बतायें कि लेखक अपनी बात कहने में कहां तक सफल हुआ है ?
- लेखक ने इस गद्य के विषय वस्तु से आप पर क्या प्रभाव डाला है ?

(ख)

पीला, हरा

- जब पीला पत्ता झड़ता है
हरा पत्ता हंसता नहीं है,
वह सिर्फ 'सिहर उठता है' जरा सा
उस सैनिक की तरह, जो देख रहा है
5 गोली से गिरते पड़ोसी की ।
शरद की हिमानी छुआन से जब
फूलने लगती हैं उसकी नसें
ध्यान आता है उसे
नियति का रंग है पीला
10 और वह सुन्न हो जाता है ।
- और पीला पत्ता सड़ता है वेग में
ताकि वह बन सके हरा पत्ता
खिला सके फूल
अगले बसंत में ।
15 हरा पत्ता नहीं जानता कूछ भी
मरण के बाद आत्माओं की यात्रा के बारे में ।
- हरे पत्ते का दुख पीला पीला है
पीले पत्ते का सपना है हरा हरा
इसी लिए, जब युवजन हंसते हैं
20 सूरजमुखी खिलते हैं
और -- ह्यं इसी लिए बूढ़ों के
अश्रु झिलमिलाते मणि-मरकत-से ।

कै. सच्चिदानंद "आजकल" सितंबर 1995

- इस कविता की तीन पदों में प्रस्तुत कर कवि ने क्या प्रभाव छोड़ा है ?
- कविता का केन्द्रीय भाव क्या है ? क्या कवि अपनी बात कहने में सफल हुआ है ?
- कवि का हरे पत्ते की गोली से मरते हुए सैनिक से तुलना करना कहां तक मान्य है ?
- इस कविता के विषयवस्तु ने आप पर क्या प्रभाव डाला ?

भाग 'ख'

नीचे दिए हुए विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। इस भाग में आपका उत्तर 'पार्ट 3' की पढ़ी हुई रचनाओं में से, कम से कम दो रचनाओं पर आधारित होना चाहिए। आप दूसरी कृतियों की भी चर्चा कर सकते / सकती हैं, परन्तु आपका निबंध इन पर आधारित नहीं होना चाहिए।

भक्ति काव्य

- 2 'भक्ति काव्य की समझने के लिए पाठक का भक्त होना ज़रूरी है' इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ?

या

- 3 'भक्ति काव्य की कवितार्थ भावना-प्रधान है, शैली को इन में पूरा महत्व नहीं दिया गया।' इस भाग में पढ़ी रचनाओं के आधार पर टिप्पणी कीजिए।

नाटक

या

- 4 जिन नाटकों को आप ने पढ़ा है उन में चित्रण किये गये समाज में नारी पात्रों के चरित्र चित्रण पर टिप्पणी कीजिए।

या

- 5 नाटक की सफलता उसके पात्रों के आपसी संबंधों तथा संवादी पर निर्भर करती है। जिन नाटकों को आपने पढ़ा है उनके आधार पर टिप्पणी कीजिए।

कविता (9)

या

- 6 इस काल की कविता के विषयवस्तु में पाई जाने वाली समानतायों तथा असमानतायों पर जिन कृतियों को आप ने पढ़ा है उनके आधार पर टिप्पणी कीजिए।

या

- 7 कविता की कविता की भाषा तथा उस में प्रयोग किये गये शब्दों के लिए जाना जाता है। कविता में शब्दों के अर्थ भिन्न होते हैं। इस भाग में से रचनाओं की पढ़ते समय क्या आपकी भी ऐसा महसूस हुआ कि कविता में भाषा के अर्थ भिन्न होते हैं ?

कविता (2)

या

- ८ आधुनिक कविता अपनी सरलता तथा विषयवस्तु की प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर रही है। आप इस कथन से कहां तक सहमत हैं ?

या

- ९ 'आजकल की कविता जन सामान्य की समस्याओं तथा चिन्ता को प्रस्तुत कर रही है'। जिन रचनायों को आपने पढ़ा है उनके आधार पर इस पर टिप्पणी कीजिए।

निबंध एवं आत्मकथा

या

- १० आत्मकथा में लेखक की मृत्यु का उल्लेख नहीं होता इसी लिए इन के अन्तिम भाग का संतोषजनक होना संदेहपूर्ण होता है। जिन आत्मकथायों को आपने पढ़ा है उनके आधार पर टिप्पणी कीजिए।

या

- ११ जिन निबंधों को आपने पढ़ा है उनके आधार पर एक अच्छे निबंध के लक्षणों का उल्लेख कीजिए जो पाठक को निबंध पढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

उपन्यास में ग्राम्य-जीवन का चित्रण

या

- १२ उपन्यासों में वर्णित चरित्रों तथा विषयवस्तु पर विचार विमर्श करते हुए उल्लेख कीजिए कि ग्राम्य जीवन का चित्रण किस हद तक आदर्शवादी दृष्टिकोण से किया गया है ?

या

- १३ उपन्यासकारों ने ग्राम्य जीवन का चित्रण करते हुए सामाजिक समस्याएं पाठक के सामने प्रस्तुत की हैं। जिन उपन्यासों को आप ने पढ़ा है उनके आधार पर टिप्पणी कीजिए।

